पुस्तकालय

184-B
7.9.2002

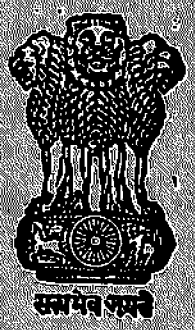

सत्यमेव जयते

असंशोधित

30 MAR 2001

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग–२-कार्यवाही–प्रश्नोत्तर रहित)

बि० स० वा० मु० (ए०ज०मु०) 99/2—10,000—4-9-1996—२८२६ ।

टर्न:50:अंजनी: दि0 30·3·2001

श्री प्रहलाद यादव,स0वि0स0 की ध्यानाकर्षण-सूचना पर सरकार (वन एवं पर्यावरण विभाग) की ओर से वक्तव्य ।

डा0 रामचन्द्र पूर्वे (मंत्री): महोदय,संबंधित मंत्री विधान-परिषद में है। इसलिए इसका जवाब कल देंगे ।

अध्यक्ष: अभी माननीय मंत्री विधान-परिषद में है। आप बैठिए,आज ही इसका जवाब होगा ।

सर्वश्री आनन्दी प्रसाद यादव, राज किशोर केसरी एवं अन्य चार सभासदों की ध्यानाकर्षण-सूचना पर सरकार (जल संसाधन विभाग) की ओर से वक्तव्य ।

श्री इन्द्रदेव प्रसाद (राज्य मंत्री): महोदय,उत्तर बिहार कीबाढ़ की समस्या के निदान हेतु राज्य-सरकार सतत् तत्पर है। समस्या के अल्प-कालीन तथा मध्यम कालीन उपाय के तहत उत्तर बिहार की नदियों पर कुल लगभग 2952 कि0मी0 तटबंधों का निर्माण किया गया है, जिससे काफी हदतक बाढ़ की विभीषिका को कम किया जा सका है। इन्हें और अधिक प्रभावी बनाने हेतु लालबकेया,बागमती,कमला तथा खाण्डो नदियों पर बिहार क्षेत्र में निर्मित तटबंधों का सुदृढीकरण तथा इनको नेपाल क्षेत्र में विस्तार कर ऊँची भूमि से जोड़ा जाना प्रस्तावित है। इनमें से लालबकेया तटबंध योजना पर कार्य प्रगति पर है।

बाढ़ की समस्या के दीर्घकालीन उपाय के तहत प्रमुख नदियों पर जलाशयों का निर्माण विशेषज्ञों की राय में आवश्यक माना गया है। किन्तु,उपर्युक्त बाँध-स्थलों के नेपाल क्षेत्र में अवस्थित रहने के कारण विस्तृत योजना प्रतिवेदन तैयार करने हेतु आवश्यक सर्वेक्षण तथा अनुसंधान कार्य प्रारंभ करने के लिए भी नेपाल सरकार की सहमति आवश्यक है। इस प्रकार पहचान किए गए डैम स्थल सप्तकोशी नदी पर वराहक्षेत्र, कमला नदी पर शीशापानी तथा बागमती पर नूनथोर में अवस्थित है। इन परियोजनाओं के संबंध में नेपाल सरकार से अपेक्षित सहयोग प्राप्त करने

हेतु राज्य सरकार विभिन्न स्तरों पर केन्द्र से सतत् अनुरोध करती रही है किन्तु इस विषय पर उल्लेखनीय प्रगति वर्ष 1991 में नेपाल के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान हुई, जब सप्तकोशी बाँध परियोजना का विस्तृत योजना प्रतिवेदन तैयार करने हेतु भारत-नेपाल संयुक्त विशेषज्ञ दल गठित किया गया। सप्तकोशी हाई डैम हेतु संयुक्त विशेषज्ञ दल के गठन से अबतक इसकी तीन बैठकें हो चुकी है। जिसमें से पिछली (तीसरी बैठक) 21-23 मार्च, 2001 को नई दिल्ली में सम्पन्न हुई। इस बैठक में अगले ढाई वर्ष (तीस माह) के भीतर सप्त कोशी हाई डैम (वराह क्षेत्र) का विस्तृत योजना प्रतिवेदन तैयार करने एवं तदर्थ विराटनगर में संयुक्त परियोजना कार्यालय, काठमाण्डू में संपर्क कार्यालय तथा दो प्रमंडलीय कार्यालय उपयुक्त स्थल पर यथाशीघ्र खोलने का निर्णय लिया गया। कमला तथा बागमती नदियों पर प्रस्तावित जलाशय से संबंधित विषय भी इसी संयुक्त दल के विचाराधीन है।

राज्य सरकार के सतत् प्रयत्न के फलस्वरूप भारत और नेपाल के बीच जल संसाधन सचिव स्तर पर एक संयुक्त गठित की गई है। इस समिति में बिहार-सरकार के जल संसाधन आयुक्त एवं सचिव भी सदस्य हैं। इस समिति की पहली बैठक दिनांक 1-3 अक्टूबर, 2000 को काठमाण्डू में संपन्न हुई। इस बैठक में सप्त-कोशी हाई डैम का सर्वेक्षण एवं अनुसंधान कार्य प्रारम्भ करने हेतु कार्यालय खोलने आदि के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

अन्तर्राष्ट्रीय विषय होने के कारण राज्य सरकार की ओर से इस संबंध में अत्यंत सीमित भूमिका होने के बावजूद राज्य सरकार सतत् केन्द्र सरकार के संपर्क में है तथा इस योजना को ... मूर्त्त रूप देने हेतु प्रयत्नशील है।